सेमेस्टर-VI

प्रश्नपत्र-18 : रचनात्मक लेखन

1

रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत,
भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ
जनभाषण और लोकप्रिय संस्कृति
लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य,
बाललेखन-प्रौढ़लेखन, मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक आदि

2

क. रचनात्मक लेखन : भाषा-संदर्भ
अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि
भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक
भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष

ख. रचनात्मक लेखन : रचना-कौशल-विश्लेषण
रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

3

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन :
क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक
ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म
घ. विविध गद्य-विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य आदि
ड. बालसाहित्य की आधारभूत संरचना

4

सूचना-तंत्र के लिए लेखन
प्रिंट माध्यम : फीचर-लेखन, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा आदि।
इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

5

प्रकाशन-तंत्र : सामान्य परिचय
पुस्तक-प्रकाशन, पत्रिका-प्रकाशन, प्रसारण-व्यवस्था
संपादन एवं प्रूफ-पठन
लेखक-प्रकाशक संबंध

सहायक ग्रंथ :

1. साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम – रघुवंश
2. शैली – रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
4. कला की जरूरत – अर्न्स्ट फिशर, अनु. रमेश उपाध्याय
5. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – मुक्तिबोध
6. साहित्य का सौंदर्यचिंतन – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. सृजनशीलता और सोंदर्यबोध – निशा अग्रवाल
8. कविता-रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल
9. समकालीन कविता में छंद – अज्ञेय
10. कविता से साक्षात्कार – मलयज
11. कविता क्या है – विश्वनाथप्रसाद तिवारी
12. एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी
13. हिंदी साहित्य का छंदविवेचन – गौरीशंकर मिश्र द्विजेंद्र
14. अलंकार-धारणा : विकास और विश्लेषण – शोभाकांत मिश्र
15. काव्यार्थ चिंतन – शिवरुद्रप्पा
16. सौंदर्य मीमांसा – रा.भा. पाटणकर
17. उपन्यास की संरचना – गोपाल राय
18. उपन्यास सृजन की समस्याएं – शमशेरसिंह नरूला
19. काव्यभाषा के सिद्धांत – महेंद्र मधुकर
20. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान – बैकुंठनाथ ठाकुर
21. काव्य के तत्त्व – देवेंद्रनाथ शर्मा
22. रंगदर्शन – नेमिचंद्र जैन
23. अंतरंग बहुरंग – देवेंद्रराज अंकुर
24. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी
25. पटकथा लेखन – मनोहरश्याम जोशी
26. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
27. टेलीविजन लेखन – असगर वजाहत, प्रभात रंजन
28. रेडियो नाटक की कला – सिद्धनाथ कुमार
29. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प – मनोहर प्रभाकर
30. रूपक लेखन – बृजभूषण सिंह
31. पत्रकारी लेखन के आयाम – मनोहर प्रभाकर
32. संवाद निरंतर – नंद भारद्वाज
33. सर्जक का मन – नंदकिशोर आचार्य
34. शब्द-शक्ति विवेचन – रामलखन शुक्ल
35. राइटिंग क्रिएटिव फिक्शन – एच.आर.एफ. कीटिंग

विकल्प

विकल्प

नोट : विद्यार्थी 19वें तथा 20वें प्रश्नपत्र के रूप में निम्नलिखित में से किसी एक विकल्प का चुनाव करेंगे :

विकल्प :
(क) भाषा शिक्षण और हिंदी भाषा
(ख) अनुवाद
(ग) रंगमंच
(घ) मीडिया
(ड.) भारतीय साहित्य

विकल्प-क : भाषा शिक्षण एवं हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र-19 : हिंदी भाषा की संरचना

1. हिंदी भाषा का भाषावैज्ञानिक और सामाजिक संदर्भ
   – भाषा नियोजन : भाषा का मानकीकरण
     भाषा का आधुनिकीकरण
     त्रिभाषा फॉर्मूला
   – हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
   – हिंदी भाषा और उसकी क्षेत्रीय बोलियाँ
   – हिंदी की सामाजिक शैलियाँ – हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी
2. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था और वर्तनी
   – हिंदी स्वनों (ध्वनियों) का वर्गीकरण
   – हिंदी की खंड्येतर ध्वनियाँ : बलाघात, संहिता, अनुतान, अनुनासिकता
   – हिंदी की आक्षरिक व्यवस्था
   – हिंदी वर्तनी की आधारभूत समस्याएँ और समाधान
3. हिंदी की व्याकरणिक व्यवस्था
   – शब्द वर्ग : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया
   – व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, काल, कारक
   – वाक्य व्यवस्था : साधारण, मिश्र और संयुक्त

4. शब्द-भंडार और आर्थी संरचना
   – हिंदी की आधारभूत शब्दावली
   – शब्दों के विविध स्रोत – तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी
   – हिंदी की आर्थी संरचना : अनेकार्थी, पर्यायवाची, विलोम, समरूपी शब्द
5. हिंदी व्याकरण की परंपरा
   – केलॉग, कामता प्रसाद गुरु, किशोरीदास वाजपेयी के हिंदी व्याकरण तथा उनकी प्रमुख प्रवृत्तियों का संक्षिप्त परिचय

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
3. हिंदी : उद्भव विकास और रूप – हरदेव बाहरी
4. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
5. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप – राजमणि शर्मा
6. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु
7. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
8. A Grammer of the Hindi Language ---- Kellog
9. Hindi Linguistics --- R.N. Shrivastava

प्रश्नपत्र-20 : भाषा-शिक्षण

1. भाषा-शिक्षण के संदर्भ
   भाषा-शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
2. भाषा-शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ
   – प्रथम भाषा/मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना
   – अन्य भाषा के अंतर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना
   – मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर
   – सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा-शिक्षण
3. भाषा-शिक्षण की विधियाँ :
   – भाषा-कौशल – श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन।
   – भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण; भाषा-कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास
   – अन्य भाषा-शिक्षण की प्रमुख विधियाँ : व्याकरण-अनुवाद-विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप-विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण-विधि
4. हिंदी शिक्षण :
   – हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा
   – द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण
   – विदेशी भाषा के रूप में भारत तथा विदेशों में हिंदी शिक्षण
5. भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन
   – भाषा-परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना
   – भाषा-परीक्षण के प्रकार
   – मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा-शिक्षण – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. अन्य भाषा-शिक्षण के कुछ पक्ष – सं. अमर बहादुर सिंह
3. भाषा-शिक्षण तथा भाषाविज्ञान – (सं.) ब्रजेश्वर वर्मा
4. भाषा-शिक्षण – लक्ष्मीनारायण शर्मा
5. हिंदी शिक्षण : अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य (सं.) सतीश कुमार रोहरा, सूरजभान सिंह
6. हिंदी भाषा-शिक्षण – भोलानाथ तिवारी
7. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान – (सं.) रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी
8. Focus Group Papers on Teaching of Indian Languages : NCERT, 2005

विकल्प-ख : अनुवाद

प्रश्नपत्र-19 : अनुवाद और तत्काल भाषांतरण (एक)

1

- भारत का भाषायी परिदृश्य
  भारत की प्रधान भाषाएँ
  भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान और अनुसूचित भाषाएँ, राजभाषा की अवधारणा
  भारत में अंग्रेज़ी – अंतर्विरोधों का स्वरूप विवेचन – कोड मिश्रण
  द्विभाषिकता एवं बहुभाषिकता
- बहुभाषा-भाषी भारतीय समाज और पारस्परिक बोधगम्यता का प्रश्न
  अनुवाद की भूमिका
- भाषा और समाज, भाषा और संस्कृति

2

- अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – तात्पर्य निर्णय, प्रकृतिगत एवं प्रविधिगत अंतर
- अनुवाद का व्यावसायिक परिदृश्य : अनुवाद संबंधी संस्थाएँ और उनके कार्य, अनुवादक पद की अर्हताएँ,
- अनुवादकार्य में प्रकाशनाधिकार – स्वरूप और समस्याएँ
- मूल लेखन और अनुवाद – सर्जनात्मकता का प्रश्न
- अनुवाद सामग्री – विविध रूप और अभिव्यक्ति का वैशिष्ट्य
  क. सर्जनात्मक साहित्य
  ख. ज्ञान-विज्ञान का साहित्य
  ग. तकनीकी साहित्य
  घ. सूचनापरक साहित्य
- भाषिक प्रयुक्तियाँ और उनकी शैलीगत विविधताएँ
- तत्काल भाषांतरण – स्वरूप, प्रवृत्ति एवं प्रविधि

3

- अनुवाद के उपकरण – कोश ग्रंथ; अनुवाद और कम्प्यूटर-यांत्रिक अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद की शक्ति और सीमा
- अनुवाद और कोश, हिंदी में कोशकार्य, कोश संरचना, शब्द-संसार और शब्द संस्कार, अर्थ छवियाँ, हिंदी के प्रमुख कोशग्रंथ

- कोशों के विविध रूप :
  - क. ज्ञान कोश (विश्वकोश)
  - ख. शब्दकोश
  - ग. संस्कृतिकोश
  - घ. समान्तर कोश
  - ड. उच्चारण कोश
  - च. पारिभाषिक शब्दकोश
  - छ. प्रतीक कोश

  अनुवाद में लिप्यंतरण का महत्व, लिप्यंतरण के सिद्धांत

  अभ्यास – विविध कोशों के प्रयोग का अभ्यास, शब्दज्ञान, समानक शब्द, एक शब्द के अनेक अर्थ, शब्द-निर्माण, शब्दों का व्याकरणिक स्वरूप

4

- अनुवाद के सोपान – भाषिक विश्लेषण, भाषान्तरण, पुनरीक्षण, संपादन

  भाषिक इकाइयाँ – ध्वनि-शब्द-पद-वाक्य-प्रोक्ति

  भाषिक क्षमता और भाषिक दक्षता

  शब्द की अर्थ परिधि और अर्थ छवियाँ

  स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा – सैद्धांतिक अंतर, लेखक, अनुवादक-पाठक

5

- भाषान्तरण की अवधारणा – कथ्य और अभिव्यक्ति
- भाषा विश्लेषण की पद्धतियाँ और व्यतिरेकी विश्लेषण, अंग्रेज़ी-हिंदी व्यतिरेकी विश्लेषण
- पाठधर्मिता, भाषा-संस्कृति, सर्जनात्मकता, शैली वैशिष्ट्य
- समतुल्यता का सिद्धांत
- अननुवाद्यता
- मुहावरे और लोकोक्तियों का अनुवाद

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. नगेंद्र – अनुवाद विज्ञान
2. रामालु रेड्डी – अनुवाद के सिद्धांत
3. हेमचंद्र पांडे – अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)
4. हरि बाबू कंसल – कार्यालय प्रदीपिका
5. विजयकुमार मल्होत्रा – कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
6. सुरेश सिंहल – सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद

7. नवीन चंद्र सहगल – काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
8. विमलेश कांति वर्मा (सं.) – कोश विशेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली
9. NIDA, E – The Theory & Practice of Translation
10. NIDA, E – Language, Structure & Translation
11. Baker, Mona – Routledge Encyclopaedia of Translation
12. House, Juliance – Translation Evaluation
13. Wilks, Vorick – Machine Translation : Its Scope & Limits
14. Baker, H. – Translation & Interpreting
15. Mossop, B – Revising and Editing for translators
16. Munday, J – Introducing Translation Studies : Theories and Applications
17. Munday, J – The Roultledge Companion to Translation Studies
18. Raghubir – Comprehensive English-Hindi Dictionary
19. R.S. Mc Gregor – Oxford Hindi-English Dictionary
20. Hardeo Bahari – English-Hindi Dictionary

प्रश्नपत्र-20 : अनुवाद एवं तत्काल भाषान्तरण-दो

1

- साहित्यिक अनुवाद – स्वरूप और समस्याएँ
- सृजनशीलता और अनुवाद
- काव्यानुवाद की भाषा-भावगत जटिलता
- नाटक का अनुवाद

अभ्यास – साहित्यिक अनुवाद

2

- क. ज्ञान-विज्ञान का साहित्य – स्वरूप और प्रकृति
  पारिभाषिक शब्दावली – पारिभाषिक शब्द निर्माण के सिद्धांत
  – व्याकरणिक विधान
- ख. कार्यालयी अनुवाद, विधिक साहित्य का अनुवाद और विज्ञापन का अनुवाद-स्वरूप, प्रकृति और समस्याएँ

अभ्यास – 1. ज्ञान-विज्ञान के साहित्य का अनुवाद
2. प्रशासनिक अनुवाद
3. विज्ञापन का अनुवाद

3

- पुनरीक्षण की अवधारणा : पुनरीक्षण और मूल्यांकन
- पुनरीक्षण की प्रविधि

पुनरीक्षण अभ्यास

4

- अनुवाद और पाठक, पठनीयता का संदर्भ
- अनुवाद संपादन – प्रविधि
- भाषा और लिपि का मानकीकरण, लिप्यंतरण की विधियाँ, भाषिक संरचना एवं भाषा व्यवहारगत विशिष्टताएँ

- मानकीकृत देवनागरी वर्तनी

संपादन अभ्यास – विविध विषयों से अनुवादों का संपादन

5

- अनुवाद मूल्यांकन की अवधारणा, आवश्यकता
- मूल्यांकन के प्रतिमान
- मूल्यांकन की प्रविधि

  एक रचना के विविध अनुवादों का सापेक्षिक मूल्यांकन

मूल्यांकन अभ्यास :

क. साहित्यिक रचना

ख. तकनीकी रचना

ग. विज्ञापन

घ. विधिक साहित्य

सहायक ग्रंथ :

1. डॉ. नगेंद्र – अनुवाद विज्ञान
2. रामालु रेड्डी – अनुवाद के सिद्धांत
3. हेमचंद्र पांडे – अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर)
4. हरि बाबू कंसल – कार्यालय प्रदीपिका
5. विजयकुमार मल्होत्रा – कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
6. सुरेश सिंहल – सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद
7. नवीन चंद्र सहगल – काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
8. विमलेश कांति वर्मा (सं.) – कोश विशेषांक
9. NIDA, E – The Theory & Practice of Translation
10. NIDA, E – Language Structure & Translation
11. Baker, Mona – Routledge Encyclopaedia of Translation
12. House, Juliance – Translation Evaluation
13. Wilks, Vorick – Machine Translation : Its Scope & Limits
14. Baker, H. – Translation & Interpreting
15. Mossop, B – Revising and Editing for translatiors
16. Munday, J – Introducing Translation Studies : Theories and Applications
17. Munday, J – The Roultledge Companion to Translation Studies
18. Raghubir – Comprehensive English-Hindi Dictionary
19. R.S. Mc Gregor – Oxford Hindi-English Dictionary
20. Hardeo Bahari – English-Hindi Dictionary

विकल्प-ग : रंगमंच

प्रश्नपत्र-19 : रंगमंच सिद्धांत : भारतीय एवं पाश्चात्य

1. (क) प्राचीन भारतीय नाट्यरूप – रूपक, उपरूपक तथा इनके भेद (सामान्य परिचय)
   (ख) आधुनिक भारतीय नाट्यरूप – एकांकी, काव्य नाटक, रेडियो नाटक एवं नुक्कड़ नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक (सामान्य परिचय)

2. पश्चिमी नाट्यभेद – त्रासदी, कामदी, मेलोड्रामा एवं फार्स (सामान्य परिचय)

3. नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के रस-सिद्धांत एवं अरस्तु के विरेचन-सिद्धांत का विशिष्ट अध्ययन

4. नाटक की विधागत विशिष्टता, नाट्यतत्त्व (भारतीय एवं पाश्चात्य), नाटक और रंगमंच का अंत:संबंध, दृश्य और श्रव्य तत्त्वों का समायोजन तथा नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

5. रंगकर्म : नाटककार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्म

सहायक ग्रंथ :

1. रंगमंच – बलवंत गार्गी
2. रंगमंच कला और दृष्टि – गोविंद चातक
3. रंगदर्शन – नेमिचंद जैन
4. रंगमंच देखना और जानना – लक्ष्मीनारायण लाल
5. भरत और भारतीय नाट्यकला – सुरेंद्रनाथ दीक्षित
6. नाट्यशास्त्र विश्वकोष – राधावल्लभ त्रिपाठी
7. रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण
8. रंग-स्थापत्य – एच.वी. शर्मा
9. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी

प्रश्नपत्र-20 : हिंदी रंगमंच

1. (क) पारंपरिक रंगमंच
   (रामलीला, रासलीला, नौटंकी, बिदेसिया, माच, ख्याल, स्वांग का सामान्य परिचय)
   (ख) प्राचीन भारतीय प्रदर्शन-परंपरा और आधुनिक रंगमंच
2. हिंदी नाटक की विकास-यात्रा
   (क) स्वतंत्रतापूर्व : पारसी थिएटर, भारतेंदु युगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर तथा इप्टा
   (ख) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : रंग प्रशिक्षण एवं रंग गतिविधियाँ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रंगमंडल भारत भवन, भोपाल, भारतेंदु नाट्य अकादमी, लखनऊ
3. आधुनिक हिंदी रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध (स्टाइलाइज़्ड), यथार्थवादी, एब्सर्ड तथा लोक-शैली
4. प्रमुख रंग व्यक्तित्व और उनकी रंगदृष्टि : श्यामानंद जालान, सत्यदेव दुबे, इब्राहिम अल्काजी, ब.व. कारंत, हबीब तनवीर, लखमीचंद एवं भिखारी ठाकुर
5. किसी प्रस्तुति (हाल ही में प्रस्तुत) की रंगमंचीय समीक्षा

सहायक ग्रंथ :

1. पारंपरिक भारतीय रंगमंच – कपिला वात्स्यायन
2. परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर
3. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास – अज्ञात
4. पारसी हिंदी रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
5. नाट्यसम्राट पृथ्वीराज कपूर – जानकी वल्लभ शास्त्री
6. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
7. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच – नरेंद्र मोहन
8. पहला रंग – देवेंद्र राज अंकुर
9. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद जैन
10. भिखारी ठाकुर : भोजपुरी के भारतेंदु – भगवत प्रसाद द्विवेदी
11. कंटेम्प्ररी इंडियन थिएटर : इंटरव्युज़ विद प्लेराइट्स एण्ड डायरेक्टर्स – संगीत नाटक अकादमी
12. थिएटर्स ऑव इंडिपेंडेंस – अपर्णा भार्गव धारवाडकर

विकल्प-घ : मीडिया

प्रश्नपत्र-19 : मीडिया-I अवधारणामूलक

1. जनसंचार की अवधारणा, प्रक्रिया, रूप और प्रभाव : दैनिक पत्र की समाचार निर्माण प्रक्रिया, रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं प्रसारण प्रक्रिया, टी.वी. कार्यक्रम निर्माण प्रसारण प्रक्रिया, फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, इंटरनेट ब्लॉगिंग पत्रकारिता की प्रक्रिया (प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं - रेडियो, टी.वी. चैनलों, फिल्मों के उदाहरण का संदर्भ अपेक्षित)
2. पत्रकारिता का विकास-सुधारवादी पत्रकारिता : पूर्व गांधी युग, गांधी युग, आजादी के बाद की पत्रकारिता
   व्यावसायिक पत्रकारिता, हिंदी पत्रकारिता की समकालीन चुनौतियाँ
3. (क) प्रिंटिंग प्रेस का विकास-समकालीन मुद्रण कला के रूप-कंप्यूटर, तकनीक आधारित पेज मेकिंग आदि
   (ख) यूनीकोड, पेज मेकिंग, प्रिंटिंग, डिजाइनिंग-पृष्ठ सज्जा, मेकअप, ले-आउट, फोटो आदि
4. समकालीन मीडिया संपादन/प्रसारण प्रक्रिया के आयाम
5. मीडिया और समकालीन विधिक व्यवस्थाएं :
   - आचार संहिता के सवाल
   - प्रसारभारती
   - केबल एक्ट
   - विज्ञापन संबंधी व्यवस्थाएँ

20 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र
2. हिंदी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास – रमेश कुमार जैन
3. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
4. समाचारपत्र और संपादन कला – अम्बिकादत्त वाजपेयी
5. हिंदी पत्रकारिता – रमेशचन्द्र त्रिपाठी
6. टेलीविजन : सिद्धांत और टेकनीक – मथुरादत्त शर्मा
7. जनमाध्यम और मास कल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
8. रेडियो वार्ता शिल्प – सिद्धनाथ कुमार
9. दूरदर्शन की भूमिका – सुधीश पचौरी

प्रश्नपत्र-20 : मीडिया-II अवधारणा एवं व्यवहारमूलक

1. (क) लेखन के मूलभूत सिद्धांत, भाषा प्रयोग, विविध संचार माध्यमों के लिए लेखन के प्रकार
   (ख) संचार माध्यमों के लिए सर्जनात्मक लेखन की शिल्पविधि - स्वरूप और विकास (सिद्धांत, तकनीक और प्रकार, शिल्प, विषयवस्तु)
2. प्रिंट मीडिया के लिए लेखन : समाचार, संपादकीय लेखन, फीचर, वार्ता, नाटक, कहानी, विज्ञापन, साक्षात्कार, खेल, बच्चों, किसानों, महिलाओं, व्यापार आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन
3. रेडियो के लिए लेखन : समाचार, रिपोर्टिंग, फीचर, वार्ता, परिचर्चा, पटकथा, संवाद लेखन एवं नाटक, ध्वनिरूपक, कहानी, विज्ञापन, खेल, कमेंट्री, बच्चों, किसानों, महिलाओं, व्यवसाय आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन
4. टेलीविजन के लिए लेखन : लिखित स्क्रिप्ट का दृश्यीकरण, दृश्यलेख की विशिष्टताएँ, भेंटवार्ता, नाटक, धारावाहिक, टेलीफिल्म, विज्ञापन, साक्षात्कार आदि
5. सिनेमा के लिए लेखन के स्वरूप : फीचर फिल्म की पटकथा, डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

सहायक ग्रंथ :

1. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर
2. भारत मीडिया - 2000 – भारत सरकार प्रकाशन संस्थान
3. संचार और विकास – श्यामाचरण दुबे
4. जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
5. Mass Communication in developing societies – Wilber Chem.
6. Understanding Media – Marshal Mechalo Hom.

विकल्प-ङ : भारतीय साहित्य

प्रश्नपत्र-19 : भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

1

- भारतीय अस्मिता का स्वरूप : भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक
  भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता
  विविधता में एकता के अंत:सूत्र : भाषा, संस्कृति और साहित्य का अंतस्संबंध
  भारतीय साहित्य की संकल्पना, भारतीय साहित्य के आधार-तत्त्व
  भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप

2

- भारतीय साहित्य का परिचय
  वैदिक साहित्य, लौकिक संस्कृत साहित्य
  पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य
  प्राचीन तमिल साहित्य

3

- भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय
  आधुनिकता-पूर्व भारतीय साहित्य : तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, मराठी, गुजराती, बांग्ला, उड़िया, असमिया, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, हिंदी

4

- भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय
  आधुनिक भारतीय साहित्य

5

- भारतीय साहित्य के प्रमुख आंदोलन
  भक्ति आंदोलन
  नवजागरण एवं राष्ट्रीय आंदोलन
  स्वाधीनता आंदोलन
  स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य
  उत्तर आधुनिक संदर्भ

सहायक ग्रंथ :

1. आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
2. वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र
4. भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
5. भाषा, साहित्य और संस्कृति – सं. विमलेशकांति वर्मा
6. बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन, अनु. निर्मला जैन
7. मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर
8. कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली
9. तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
10. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
11. उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
12. भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
13. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
14. अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – सं. सतीशकुमार रेहरा
15. भारतीय भाषा साहित्य – विभूति मिश्र

प्रश्नपत्र-20 : भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन

1

- वाल्मीकि – 'सप्तपर्णा' में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
  कालिदास – 'उत्तरमेघ' से दस श्लोक, भगवतशरण उपाध्याय/नागार्जुन-कृत अनुवाद
  'गाथा सप्तशती' 10 गाथाएँ

2

- नामदेव – साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित 'हिंदी ज्ञानेश्वरी' से, आलवार पद्य शंकरदेव की रचनाएँ
  मध्यकालीन तेलुगु कवि वेमना – साहित्य अकादमी

3

- लल द्यद – भाषा, साहित्य और संस्कृति – विमलेश कांति वर्मा
  वारिस शाह की हीर का एक अंश
  गालिब की गज़लें

4

- रवींद्रनाथ टैगोर गीतांजली के कुछ अंश साहित्य अकादमी के 'संचयन' से
  सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ – साहित्य अकादमी
  वल्लतोल की कविताएँ : साहित्य अकादमी

5

- उपन्यास-अंश : शिवाजी सावंत कृत 'मृत्युंजय' से
  जीवनी-अंश : नारायण देसाई कृत 'अग्निकुंड में खिला गुलाब'
  – महादेव भाई की जीवनी
  नाटक : हयवदन : गिरीश कर्नाड
  कहानी : कोंकणी कहानी तथा मणिपुरी कहानी

नोट : इकाई-1 से इकाई-5 तक के पाठों का निर्धारण विभाग द्वारा किया जाएगा।

सहायक ग्रंथ :

1. आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकर माचवे
2. वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र

4. भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र
5. भाषा, साहित्य और संस्कृति – सं. विमलेशकांति वर्मा
6. बांग्ला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन, अनु. निर्मला जैन
7. मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर
8. कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली
9. तमिल साहित्य का इतिहास – मु. वरदराजन
10. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी.डी.
11. उर्दू भाषा और साहित्य – फिराक गोरखपुरी
12. भारतीय साहित्य – दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन
13. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूपदर्शन – गौरीशंकर पंड्या
14. अखिल भारतीय साहित्य : विविध आयाम – सं. सतीशकुमार रेहरा